देश में खनिजों की खोज

2512. **चौधरी हरि सिंह** : क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान खानों से प्रति वर्ष कितनी-कितनी मात्रा में तथा कितने-कितने मूल्य के सोना चांदी और हीरे निकाले गए ;

(ख) उपर्युक्त अवधि में इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि निर्दिष्ट की गई थी और वर्ष 1992-93 के लिए कितनी धनराशि के निर्दिष्ट किए जाने का विचार है ;

(ग) क्या सरकार उक्त खनिजों/धातुओं की खोज/खनन के लिए विदेशी कम्पनियों से सहायता लेने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है; और

(ङ) देश के किन-किन क्षेत्रों में इन बहुमूल्य धातुओं/खनिजों के मिलने की संभावना है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्पादित सोने, चांदी और हीरे की मात्रा और मूल्य इस प्रकार है :-

		1989-90	1990-91	1991-92
सोना	मात्रा (कि० ग्रा०)	2156	2090	2039
	मूल्य (करोड़ रु०)	69.14	72.79	88.47
चांदी	मात्रा (कि० ग्रा०)	40508	34955	35537
	मूल्य (करोड़ रु०)	27.35	22.96	25.75
हीरा	मात्रा (कैरेट)	16473	18010	19859
	मूल्य (करोड़ रु०)	5.31	6.02	8.85

(ख) मुख्य रूप से सोने के खनन में लगी कंपनी-भारत गोल्ड माइन्स लि० को दी गई योजना सहायता इस प्रकार है :-

(करोड़ रु०)

1989-90	1990-91	1991-92	1992-93*
3.32	0.42	4.94	6.00

हीरे अथवा चांदी के खनन कार्यों के लिए कोई योजना सहायता नहीं दी गई।

*प्रस्तावित

(ग) और (घ) कर्नाटक की उत्तर कोलार शिस्ट पट्टी में सोने के गवेषण के लिए परामर्श कार्य करने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा फांस के मैसर्स बी०आर०जी०एम० के साथ करार किया गया है। नेशनल मिनरल डेवलेपमेंट कारपोरेशन लि० हीरे के गवेषण और विदोहन के प्रस्तावों पर आस्ट्रेलिया के मैसर्स एस्थान माइनिंग कंपनी तथा मेनिन्को के साथ परामर्श कर रहा है।

(ङ) नये निक्षेपों का पता लगाने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सोने की खोज के फील्ड कार्यक्रम कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू और कश्मीर राज्यों में चल रहा है।

खनिज गवेषण निगम की वर्तमान स्वर्ण गवेषण परियोजनाएं आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक में चल रही हैं।

Extension of Services to Retiring Officers in the National Mineral Development Corporation

2513. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the National Mineral Development Corporation Limited has been liberally granting extension of services to a good number of retiring senior officers;

(b) whether some of such officers have also been employed after retirement as consultant;

(c) whether regular senior officials of the Corporation have been agitating on the issue; and

(d) if so, the facts and details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV) (a) and (b) National Minerals Development Corporation Limited (NMDC) has granted extension of service to a few executives to maintain continuity of operations in critical areas. The Company has also re-employed some retired officers as consultants for short periods to complete certain special assignments.

(c) No, Madam.

(d) Does not arise.

New Mines at Bailadila

2514. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the NMDC's proposal to open a new mine at deposits No. 10 and 11A at Bailadila has been held up for want of approval by the PIB;

(b) if so, whether Government are aware that such a delay could lead to a supply deficit in the mid 90s, particularly with a string of iron ore based industries, such as pig iron and sponge iron; and

(c) what steps Government propose to take in this regard as it is feared that the above mine is not likely to come on stream for another five years i.e. 1997?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) (a) No, Madam. Ministry of Steel has recently submitted a proposal for consideration by the PIB, to permit NMDC to prepare Detailed Project Report (DPR) for development of these mines.

(b) and (c) Do not arise.

Production of Aluminium

2515. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of MINES be pleased to state: